वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

प्रथम वर्ष बी.कॉ□.

हिंदी - सेमेस्टर – I

(2017-2018, 2018-2019 □□□□2019-2020 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-1. हिंदी □□□□ □□□□ : □□□ □□□□, (अनिवार्य हिंदी) Foundation Course-01

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्य पुस्तक : 1. □□□ □□□□ - □□□.महेशचंद्र (लोकभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)

2. वाणिज्य पत्र-व्यवहार

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1. कहानी कला के तत्वों की समीक्षा :

□□□ – प्रेमचंद, गुण्डा - जयशंकर प्रसाद, □□□ □□ □□ मन्नू भंडारी,
चीफ की दावत - भीष्म साहनी |

□□□□-2. कहानी कला के तत्वों की समीक्षा :

तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम - फणीश्वरनाथ □□□, □□□□ - ज्ञानरंजन ,
□□□□ □□□□□□□□ - कमलेश्वर |

□□□□-3.

1.पूछताछ के पत्र , 2.निजी पत्र, 3. □□□-पत्र-स्वीकृति पत्र-अस्वीकृति पत्र |

□□□□-4.

1. निदर्शन-पत्र, 2.संदर्भ-पत्र, 3.परिपत्र |

□□- □□□□□□-

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□-□□ टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×2=14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी-ड□.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेश गुप्त (राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली)
2. कार्यालयीय हिंदी-डॉ.विजयपाल सिंह (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□□)
3. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण-प्रो.विराज (राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली)
4. प्रयोजनमूलक हिंदी-क□□□□□□ □□□ (दिल्ली ,क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी)
5. प्रयोजनमूलक हिंदी-डॉ.□□□□□ □□□□□(दिल्ली ,वाणी प्रकाशन)
6. व्यावसायिक संप्रेषण-डॉ.अनूपचंद्र भायाणी (राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली)
7. प्रेमचंद-ड□.सत्येन्द्र (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. प्रेमचंद-ड□.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
9. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
10. हिंदी कहानीः प्रकिया और पाठ-सुरेन्द्र चौधरी

==========

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुर□
प्रथम वर्ष बी.क□□.
हिंदी - सेमेस्टर- II
(2017-2018, 2018-2019 □□□2019-2020 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-2. हिंदी भाषा कौशल : दु□□□□□ (अनिवार्य हिंदी) Foundation Course-02

(Total Marks – 50 ; Credits o3)

पाठ्य पुस्तक : 1. □□□□□□-नागार्जुन 2. वाणिज्य पत्र-व्यवहार

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

□□□□-1.

नागार्जुन का व्यक्तित्व और कृतित्व, 'दुखमो□□': कथावस्तु, '□□□□□□'- एक आँचलिक उपन्यास |

□□□□-2

'□□□□□□' □□मुख्य एवं गौण पात्र, '□□□□□□' : शीर्षक की सार्थकता ,

'□□□□□□' में संवाद-यो□□□, '□□□□□□' का उद्देश्य |

□□□□-3. 1.□□□□□□□-पत्र 2. □ □□□-पत्र।

□□□□-4. 1.कार्य-ि□□□□ 2. अंग्रेजी-हिंदी शब्द।

□□- □□□□□□-

प्रश्न 1. पठित पुस्तक से संक्षिप्त केवल 5 प्रश्न (कोई विकल्प नहीं देना है) (05 x 2 = 10 □□)

प्रश्न 2 □□ 3 . □□□□ 1 □□ 2 □□□□ – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 □□)

प्रश्न 4. □□□□ 3 □□ 4 □□-□□ टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (7×2=14 □□)

संदर्भ-पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेश गुप्त (राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली)
2. कार्यालयीय हिंदी-डॉ.ि□□□□□□ सिंह (जयभारती प्रकाशन, इ□□□□□□)
3. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण-प्रो.विराज (राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली)
4. प्रयोजनमूलक हिंदी-कम□□□□□ □□□ (दिल्ली ,क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी)
5. प्रयोजनमूलक हिंदी-डॉ.ि□□□□ □□□□□(दिल्ली ,वाणी प्रकाशन)
6. पत्र-व्यवहार-निर्देशिका-डॉ.श□□□□□□ □□□□□ □□ □□.विजय कुलश्रेष्ठ
7. हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
8. हिंदी उपन्यासों में कथा-शिल्प का विकास-प्रतापनारायण टंडन
9. हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास- प्रतापनारायण टंडन (कल्पना प्रकाशन)
10. नागार्जुन-सं□□.सुरेशचंद्र त्यागी, आशिर प्रकाशन, □□□□□□□
11. हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गो□□□ □□□ (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
12. नागार्जुन क□ उपन्यास साहित्य-सम□□□□□□ संदर्भ-ड□.□□□ □□□□

==========